

सेंसेक्स	72,026.15	▲ +178.58
डॉलर	83.125	▼ -0.140
तापमान (दिल्ली सेल्सियस)	आज का अनुमान	
	अधिकतम	न्यूनतम (न्यूनतम)
रांची	18.0	15.0 15.0
धनबाद	21.0	16.0 18.0
जमशेदपुर	27.0	15.0 19.0
पलामू	19.0	16.0 16.0

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते



रांची, पौष कृष्ण पक्ष 10, विक्रम संवत् 2080

रांची, शनिवार, 06 जनवरी 2024, वर्ष-24, अंक- 329, पृष्ठ-12, मूल्य ₹2.00, रजिस्ट्रेशन नं: BIHHN/1999/155

www.rastriyanaveenmail.com

संपादकीय नये साल से उम्मीदें तो बहुत हैं मगर कई ...8 रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित अभिनेता मनोज बाजपेयी के लोस चुनाव ... 12 देश/विदेश

रांची सर्राफा

सोना (10 ग्राम) 59,700

चांदी (1 किलो) 78,000

एक नजर

सीबीआई कोर्ट में सीता सोरेन ने जमा किया पासपोर्ट

राज्यसभा चुनाव से जुड़े हाई कोर्ट में सीता सोरेन ने जमा किया पासपोर्ट का प्रमाण। सीता सोरेन ने जमा किया पासपोर्ट का प्रमाण। सीता सोरेन ने जमा किया पासपोर्ट का प्रमाण।

राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक नौ को

राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक नौ जनवरी को शाम चार बजे से प्रोजेक्ट भवन में होगी। बैठक में महत्वपूर्ण फैसले लिए जाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट से तेजस्वी यादव को झटका

सुप्रीम कोर्ट ने तेजस्वी यादव को झटका देते हुए उनकी याचिका को 22 जनवरी तक स्थगित कर दिया।

राहुल को हाईकोर्ट से राहत बरकरार

राज्यसभा चुनाव के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी से जुड़े मामले में सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को दी गई राहत बरकरार रखी है।

लश्कर का आतंकी बिलाल अहमद शोपियां

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में चल रही मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने लश्कर-ए-तैयबा के एक आतंकी को मार गिराया है।

एके सिंह कॉलेज जपला के शासी निकाय का चुनाव सम्पन्न

सांसद वीडी राम अध्यक्ष व प्रफुल्ल सिंह बने सचिव



नवीन मेल संवाददाता मेदिनीनगर। एके सिंह कॉलेज जपला के बहुप्रतीक्षित शासी निकाय के अध्यक्ष एवं सचिव का चुनाव गुरुवार की देर शाम स्थानीय प्रशासन भवन में सम्पन्न हुआ।

मई में समीर उरांव और धीरज साहू का कार्यकाल होगा पूरा

9 केंद्रीय मंत्री समेत 68 सांसद इस साल राज्यसभा से होंगे रिटायर



महाराष्ट्र के ये सदस्य होने जा रहे रिटायर

महाराष्ट्र में एनसीपी और शिवसेना में विभाजन के कारण राज्य में राजनीतिक पुनर्गठन के बाद राज्यसभा चुनावों पर खासी नजर है।

4 मनोनीत सदस्य जुलाई में होंगे रिटायर

चार मनोनीत सदस्य जुलाई में रिटायर हो रहे हैं। हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा के लिए देवारा नामांकन के लिए बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा को अपने गृह राज्य से बाहर सीट तलाशनी होगी क्योंकि वहां कांग्रेस सत्ता में है।

कार्यकाल पूरा करेंगे। उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 10 सीटें खाली होंगी, इसके बाद महाराष्ट्र और बिहार 6-6 सीटें, मध्य प्रदेश और

पश्चिम बंगाल 5-5 सीटें, कर्नाटक और गुजरात में 4-4 सीटें, ओडिशा, तेलंगाना, केरल और आंध्र प्रदेश 3-3 सीटें, झारखंड

बंगाल-बिहार के सदस्य भी होंगे रिटायर

पश्चिम बंगाल से तुणमूल कांग्रेस के सदस्य अबीर रंजन विश्वास, सुभाशीष चक्रवर्ती, मोहम्मद नदीमुल हक और शान्तनु सेन और कांग्रेस सदस्य अशोक मनु सिंघवी संसद के उच्च सदन से रिटायर हो रहे हैं।

अभय चौटाला के समर्थी के ठिकाने से पांच करोड़ जब्त

प. बंगाल में ईडी टीम पर जानलेवा हमला

एजेंसी कोलकाता / यमुनानगर / चंडीगढ़ / मुंबई। ईडी की टीम ने शुक्रवार को प. बंगाल, हरियाणा और महाराष्ट्र में अलग-अलग मामलों में छापेमारी की।

राशन वितरण घोटाले में तुणमूल नेता शाहजहां शेख के घर पर छापे मारने पहुंची थी ईडी की टीम

दिलबाग सिंह के घर सोने के तीन बिस्कुट और 100 से अधिक विदेशी शराब की बोतलें बरामद

किरीट सोमैया की शिकायत पर रोहित पवार के बरामती एग्री कंपनी के खिलाफ हो रही है छापेमारी

तीन सौ से अधिक लोगों ने किया हमला BJP ने की NIA जांच की मांग



छापे के खिलाफ टीएमसी का जबरदस्त विरोध

ईडी के छापेमारी के प्रयास के खिलाफ पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के सदरशाखा के विभिन्न स्थानों पर तुणमूल कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया।

विदेश में बनाई संपत्तियों के कागजात मिले

प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को साफ किया है कि गुरुवार को यमुनानगर में मारे गए इन छापों में विदेश में बनाई गई कई संपत्तियों के कागजात और चार विदेशी राष्ट्रफल सहित अन्य चीजें भी मिली हैं।

राज्यपाल की ममता को सख्त चेतावनी

प. बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने टीएमसी नेता शेख साजिद के समर्थकों द्वारा प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों पर हमले को खतरनाक, निंदनीय और एक भयानक घटना कहा।

छापेमारी राजनीति से प्रेरित : सुले

मुंबई में रोहित पवार के ठिकानों पर छापेमारी पर शरद पवार की बेटी और सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि यह कार्यवाही राजनीति से प्रेरित है।

सीईओ से मिला झामुमो प्रतिनिधिमंडल, सौंपा झापन गांडेय में उप चुनाव कराने की मांग



नवीन मेल संवाददाता। रांची झारखंड में राजनीतिक उठा पटक के बीच झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय के नेतृत्व में शुक्रवार को एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) से मुलाकात की।

चुनाव आयोग ने जयराम रमेश की वीवीपेट मशीनों को लेकर जताई चिंताओं को किया खारिज

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेता जयराम रमेश की वोट वरिफिकेशन पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपेट) मशीनों को लेकर जताई गई चिंता को खारिज करते हुए आज कहा कि उन्होंने कोई नया दावा नहीं किया है।

धोनी ने पूर्व बिजनेस पार्टनर कंपनी पर दर्ज कराया मुकदमा

15 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप

नवीन मेल संवाददाता। रांची महेंद्र सिंह धोनी ने अरका स्पॉट्स मैनेजमेंट नामक कंपनी पर 15 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए रांची की अदालत में मुकदमा दर्ज कराया है।

अलका लांबा बनी महिला कांग्रेस अध्यक्ष, वरुण को एनएसयूआई की कमान

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने महिला कांग्रेस और एनएसयूआई के अध्यक्षों को बदल दिया है।

जाममुक्त करने के सभी प्रयास नाकाम, हर तरफ लगता है जाम

रवि चंद कपूर। रांची
झारखंड की राजधानी रांची की पहचान ट्रैफिक जाम से बिगड़ी व्यवस्था वाले शहर के रूप में होती है। जिला प्रशासन, रांची नगर निगम और ट्रैफिक पुलिस के लाख प्रयासों के बाद भी शहर को जाममुक्त नहीं बनाया जा सका। शहर में जाम की सबसे बड़ी समस्या बेलगाम ऑटो और सड़क पर गलत तरीके से वाहनों की पार्किंग को माना जाता है। हालांकि ट्रैफिक पुलिस गलत तरीके से पार्क किये गये वाहनों पर जुर्माना लगाकर लोगों के ऐसी आदत को छुड़ाने का प्रयास करती है। नगर निगम भी सड़क के किनारे किये गये अतिक्रमण को बार बार हटाकर लोगों को जाम से निजात दिलाना चाहता है। इसके बावजूद शहर जाममुक्त नहीं हो रहा है। राजधानी में हर तरफ जाम का बड़ा कारण बेरोकटोक चलने वाले ऑटो की अत्यधिक संख्या है। शहर में ऑटो की संख्या बढ़ने का कारण यह भी है कि राजधानी के लोगों के पास शहर में कहीं भी जाने के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट का पूर्ण विकल्प नहीं है। लगभग पूरा

परमिट की होती है जांच : डीटीओ
रांची जिला परिवहन पदाधिकारी प्रवीण प्रकाश ने बताया कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के लिए अलग अलग परमिट निर्गत किये गये। समय समय पर इसकी जांच की जाती है। रूट परमिट से अलग ऑटो चलाने वालों पर जुर्माना और कार्रवाई की जाती है।

शहर रिक्शा और ऑटो की सवारी पर निर्भर है। रांची नगर निगम क्षेत्र के शहरी क्षेत्र के लिए जिला परिवहन कार्यालय में करीब छह हजार ऑटो और रांची नगर निगम ने 1400 ई रिक्शा को परमिट दिया है, यानी करीब 7500 सवारी ऑटो को ही प्रचालन की अनुमति है। लेकिन शहर में इस समय करीब 18 हजार ऑटो चलते हैं। शहर में इतनी बड़ी संख्या में ऑटो के चलने से शहर में हर तरफ जाम की स्थिति बनी रहती है। पूरे जिले की बात करें तो करीब 21 से 22 हजार सीएनजी व डीजल ऑटो और 7 से 8 हजार टोटो यानी

परमिट 7500 को, शहर में चलते हैं 18 हजार ऑटो



नगर निगम कर रहा है जाममुक्ती का प्रयास : सहायक प्रशासक



रांची नगर निगम के सहायक प्रशासक कुंवर सिंह पाहन ने कहा कि ऑटो से जाम की स्थिति बनती है यह सच्चाई है, नगर निगम का प्रयास है कि शहर को जाममुक्त बनाया जाय। इसके लिए जो जरूरी प्रयास और कार्रवाई है की जा रही है। सार्वजनिक परिवहन सिटी बसों की बढ़ावाए पर उन्होंने कहा कि अगले सप्ताह इस विषय पर बैठक होगी, जिसमें सभी विंदुओं पर चर्चा की जायेगी।

चार हजार सीएनजी ऑटो को परमिट, चल रहे आठ हजार

शहरी क्षेत्र के लिए करीब 4000 सीएनजी ऑटो को परमिट दिया गया है। जबकि सड़क पर इसकी टुपुनी संख्या करीब 8000 ऑटो चलते हैं। शहर में चलने वाले डीजल ऑटो की संख्या करीब एक हजार है, जबकि करीब 7000 ऑटो शहर के सड़क पर दौड़ते हैं। इसके अलावा नगर निगम क्षेत्र के लिए 1400 टोटो का परमिट है, लेकिन जिला परिवहन कार्यालय में करीब 4500 टोटो रजिस्टर्ड हैं। इस तरह सीएनजी व डीजल ऑटो और टोटो की कुल परमिट करीब 7500 है और सड़क पर करीब 18-19 हजार ऑटो दौड़ रहे हैं।

ग्रामीण क्षेत्र में चलते हैं 10 हजार ऑटो

राजधानी के ग्रामीण क्षेत्रों में करीब 10 हजार ऑटो चलते हैं। जिसमें करीब 3000 सीएनजी और 6000 डीजल ऑटो और टोटो शामिल हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में यातायात का दबाव कम होने के कारण शहर में निर्धारित परमिट के बाद ऑटो को ग्रामीण क्षेत्र के लिए परमिट दिया जाता है। वैसे ऑटो जिन्हें ग्रामीण क्षेत्र के लिए परमिट दिया गया है। उन्हें शहरी क्षेत्र में ऑटो चलाना वर्जित है, इसके बावजूद ऐसे चालक शहरी क्षेत्र में घड़ल्ले से ऑटो चलते हैं। जो शहर में जाम का बड़ा कारण है।

शहर में जो भी नया ऑटो का रजिस्ट्रेशन किया गया है। उन सभी को परमिट तत्काल निर्गत किया जाए। शहर में चौक चौराहों से हटकर यात्री पड़ाव बनाया जाय। ताकि चौक चौराहों पर जाम नहीं लगे। गरीब ऑटो चालकों व मालिकों से किसी भी प्रकार की अवैध वसूली नहीं की जाये।

दिनेश सोनी
झारखंड प्रदेश डीजल ऑटो चालक महासंघ के संस्थापक

अतिक्रमण से संकरी हो गयी शहर की सड़कों का चौड़ीकरण किया जाए। उसके बाद ही जाममुक्त शहर के लिए अभियान चलाया जाए तो बेहतर होगा।

बादल थापा
रांची रेलवे स्टेशन प्रोपेड सेवा

ऑटो चालकों से रांची रेलवे स्टेशन, हटिया रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट रोड, आईटीआई बस स्टैंड, खादगड़ा बस स्टैंड और अरगोड़ा ऑटो स्टैंड में की जा रही वसूली को तत्काल बंद किया जाए। नए रजिस्ट्रेशन वाले सभी सीएनजी ऑटो चालकों को परमिट निर्गत किया जाये।

तबरेज आलम
चालक

शहर में जाम का कारण नगर निगम की सिटी बस भी है। ऑटो चालकों और सिटी बस के लिए स्थायी रोड की व्यवस्था हो। दिन भर सड़क पर रहने वाले चालकों के लिए जगह-जगह बैठने के साथ सुविधा बहाल की जाये।

भोला सिंह

पहाड़ी बाबा का 26वां वार्षिकोत्सव सात को



रांची। शिव मंडल की ओर से श्री पहाड़ी बाबा का 26वां वार्षिकोत्सव सात जनवरी को धूमधाम से मनाया जाएगा। मंडल की नित्य पूजा-आरती के बाद सुबह 7.30 बजे हनुमान जी की ध्वज पूजन के साथ 9 बजे से मुख्य मंदिर में महारुद्राभिषेक आचार्य श्याम सुंदर भारद्वाज अपने 11 विद्वान पंडितों के साथ मंत्रोच्चारण के साथ करेंगे। इस दौरान दूध-दही-मधु-गन्ने का रस और गंगाजल और अन्य पूजन सामग्री मंडल के संयोजक सह मुख्य यजमान प्रेमशंकर चौधरी अपनी पत्नी अनुपमा चौधरी के साथ महारुद्राभिषेक करेंगे। सभी शिव भक्त बारी-बारी से रुद्राभिषेक में सम्मिलित होंगे। दोपहर एक बजे से बाबा का भव्य श्रृंगार के साथ 5.6 भोग लगाया जाएगा। इस बार रांची और बाहर से आए भजन गायकों द्वारा भजन प्रस्तुत किया जाएगा। इस बार विशेष रूप से आए हुए सभी शिव भक्तों के लिए प्रसाद वितरण का आयोजन किया जाएगा। शाम 6 बजे महाआरती के साथ उत्सव का समापन किया जाएगा।

बढ़ते अपराध के विरोध में युवाओं ने किया प्रदर्शन



रांची। झारखंड में हो रहे लगातार हत्या, लूट, बलात्कार और जेल के अंदर से रंगदारी जैसे बढ़ते अपराध के विरोध में युवाओं ने विरोध प्रदर्शन किया। खादगड़ा सब्जी मंडी के समीप यूथ आफ रांची के तत्वावधान में भैरव सिंह के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया। भैरव सिंह ने कहा झारखंड की कानून व्यवस्था चरमरा गई है। ऐसा कोई सप्ताह नहीं गुजरता जब दिनदहाड़े गोली ना चलती हो। लूट या बलात्कार ना होता हो। अपराधी इस प्रकार बेलगाम हो गए हैं की जेल के अंदर भी हत्याएं हो रही हैं। जेल के अंदर से धर्मक्रियां दी जा रही हैं। प्रदर्शन में अमृत रमन, अजय साहू, गुड्डू लोहार, विक्की ठाकुर, सुमन और रीना रूपा सहित अन्य शामिल थे।

बोड़ेया गांव में हड़गड़ी पूजा, याद किये गये पूर्वज



रांची। बोड़ेया गांव में हड़गड़ी पूजा मनाया गया। गांव के विश्वकर्मा पाहन की अगुवाई में ढोल नगाड़े के साथ नाचते गाते बोड़ेया अखड़ा पहुंचे। यहाँ सभी ने मिलकर एकजुटता के साथ प्रक्रिया किया। इसके बाद पूर्वजों को तेल, सिन्दूर, दाल, भात, खेनी, चूना और हड़िया अर्पित किया गया। इस दौरान धूप-दीप प्रज्वलित कर पूर्वजों से आशीर्वाद ली गयी। केंद्रीय सरना समिति के केंद्रीय अध्यक्ष फूलचंद तिकी ने कहा कि पौष के माह में आदिवासी समाज के लोग अपने पूर्वज को याद करते हैं। उन्होंने कहा कि गांव में ही आदिवासी रूढ़ि प्रथा, परंपरा और संस्कृति जीवित है। आज आदिवासी अपनी धार्मिक पहचान के लिए भटक रहे हैं। सना कोड नहीं मिलने से आदिवासी परंपरा में संघमारी हो रही है। कभी आदिवासी को हिन्दू, कभी ईसाई कहा जाता है। उन्होंने कहा कि इन सभी लोगों की डीलिंगिटों होनी चाहिए जो आदिवासी परंपरा संस्कृतिक को त्याग चुके है। कार्यक्रम में दालू पाहन, रवि बिन्हा, अमित टोप्यो, नवल टोप्यो, आशीष टोप्यो, चंदा, अमर तथा विजय सहित अन्य उपस्थित थे।

राम उत्सव कार्यक्रम को लेकर मेन रोड में भूमि पूजन



रांची। राम उत्सव कार्यक्रम को लेकर चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति ने मेन रोड में भूमि पूजन किया। आगामी 21 व 22 जनवरी को राम उत्सव कार्यक्रम को लेकर पूजा स्थल में भूमि पूजन किया गया। भूमि पूजन स्थानीय पुरोहित द्वारा पूरे विधि विधान से किया गया। इस अवसर पर जलेंद्र प्रसाद, रमेश सिंह, राजू वर्मा, रामानंद ठाकुर, मुन्ना चौरसिया, प्रदीप वर्मान, बबलू वर्मा, विकास वर्मा, काजू वर्मा, सोनू दुबे, विक्की वर्मा, ओम वर्मा, रवि वर्मा, सबलू मुंडा, नमन भारतीय और धर्मेन्द्र शामिल थे।

दुसू महोत्सव 11 जनवरी को मनाया जायेगा

रांची। झारखंडी भाषा खतियान संस्कृति समिति की ओर से 11 जनवरी दुसू महोत्सव मनाया जायेगा। इसे लेकर शुक्रवार को समारोहिक रूप से मोरहाबादी स्थित ऑक्सिजन पार्क में बैठक किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि दुसू महोत्सव रांची नगर निगम के कार पार्किंग, अल्बर्ट एक्का चौक पर मनाया जाएगा। महोत्सव का नेतृत्व कर रहे देवेन्द्रनाथ महतो ने बताया कि राजधानी दुसू महोत्सव कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक अनुमति प्राप्त कर लिया गया है। इस महोत्सव में राज्य के पद्मश्री से विभूषित, आला प्रशासनिक अधिकारी, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय के व्याख्याता एवं प्राचार्य, शिक्षाविद, कला एवं संस्कृति के प्रसिद्ध व्यक्तियों को सम्मानित करते हुए महोत्सव संपन्न किया जाएगा। राजधानी दुसू महोत्सव में राज्य भर से 100 से ज्यादा भी दुसू चौडल आने का आधिकारिक सूचना दी गयी है।

एक नजर

रांची में घर के कमरे से मिला शव

रांची। रांची के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित मिराजुद्दीन लेन स्थित एक घर से पुलिस ने एक व्यक्ति का शव शुकुवार को बरामद किया है। मृतक की पहचान अंकुर मोदी के रूप में हुई है। घर से बदनू आने की सूचना पर आसपास के लोगों ने कोतवाली पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया मामला अत्यधिक शराब पीने की वजह से मौत का प्रतीत होता है। कर्म से शराब की बोतलें और नशीले टैबलेट मिले हैं। थाना प्रभारी शैलेश कुमार ने बताया कि एफएसएल टीम को बुलाया गया है। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है।

नशे में धुत चालक ने एंबुलेंस को डिवाइडर पर चढ़ाया

रांची। लोअर बाजार थाना क्षेत्र के कांटोटोली चौक स्थित पेट्रोल पंप के पास नशे में धुत झारखंड स्वास्थ विभाग के एंबुलेंस ने डिवाइडर में टक्कर मार दी। घटना गुरुवार रात की है। एंबुलेंस में शरीज और उसके परिजन सवार थे। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस को क्रैन की मदद से सड़क के किनारे अस्पताल भेजा। हड़ताल जारी रहने से इस माह गरीबों को नहीं मिलेगा राशन

रांची। इस माह गरीब लोगों को सरकारी राशन की चावल से वंचित रहना पड़ सकता है। राज्य में सरकार द्वारा संचालित जन वितरण प्रणाली के दुकानों एक जनवरी से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। उनके हड़ताल पर चले जाने के कारण राज्य के करीब 2 करोड़ लाभुक इस माह चावल नहीं ले पाएंगे। राशन दुकानदारों ने 2014 से कमीशन नहीं बढ़ने के कारण हड़ताल का निर्णय लिया है। दुकानदारों ने चेतवाणी दी है कि जब तक उनका कमीशन नहीं बढ़ाया जाएगा और कमीशन की बकाया राशि का भुगतान नहीं होगा तब तक हड़ताल जारी रहेगा।

जैप वन का रहा है गौरवशाली इतिहास : मल्लिक

नवीन मेल संवाददाता। रांची झारखंड सशस्त्र पुलिस बल (जैप वन) का 144वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर डोरंडा स्थित जैप वन परिसर स्थित मैदान में परेड का आयोजन हुआ। समारोह में जैप के एडीजी आरके मल्लिक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि जैप का गौरवशाली इतिहास है। सिर्फ छह साल बाद यह वाहिनी 150वां स्थापना दिवस मनायेगी, जो किसी भी बल के लिए गौरव का विषय होगा। राजकुमार मल्लिक ने कहा कि अंग्रेजी शासनकाल में 1880 में इसका गठन हुआ था। इस वाहिनी ने इतिहास को करवट लेते देखा है। 1947 के विभाजन की

जैप वन का 144वां स्थापना दिवस धूमधाम से मना



त्रासदी और 1971 की जंग के दौरान भी इस वाहिनी को आंतरिक सुरक्षा का दायित्व दिया गया था। उन्होंने कहा कि इतिहास को देखे, सबक लें और आगे बढ़ें। विषम परिस्थिति में भी कूल टेपरामेंट के साथ काम करते हैं, यह बहुत

दुर्लभ गुण है। वाहिनी के जवानों ने खेल के क्षेत्र में भी काफी नाम कमाया है। राष्ट्रीय खेलों एवं कॉमनवेल्थ गेम्स में जैप के खिलाड़ियों ने मेडल जीतकर वाहिनी का नाम बढ़ाया है। मुझे उम्मीद है कि वाहिनी के गौरव में

अयोध्या में पूजा के साथ ही रांची के मंदिरों को भी सजाया जाएगा

श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर, काली मंदिर, श्री हनुमान मंदिर चर्च रोड, गुदरी शिव मंदिर, महादेव मंदिर, ओसीसी कंपाउंड और बंगलामुखी मंदिर को भव्य रूप से सजाया जाएगा। विशेष आकर्षण का केंद्र श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर मेन रोड रहेगा। जहाँ महावीरी ध्वज के साथ श्री रामजी का भव्य

कटाउट, कोल्ड फायर, बेलून सज्जा, फूलों की सज्जा, भंडारे का आयोजन, जीवंत झांकी और एलईडी में श्री राम मंदिर के उद्घाटन समारोह का लाइव टेलीकास्ट किया जाएगा। मौके पर आरती, सुंदरकांड, भंडारे का आयोजन के साथ ही रात्रि में दीपक उत्सव कर पूरे मंदिर परिसर को भव्यता से सजाया जाएगा। कार्यक्रम की सफलता के लिए संरक्षक सांसद संजय सेठ, विधायक सी पी सिंह, आशा लकड़ा, प्रदीप वर्मा, रंजन सिंह, महामंदेश्वर पंडित सूर्य नारायण त्वागी को बनाया गया। पंडित श्यामानंद पांडे को संयोजक अमरनाथ सरकार व अमित चौधरी को सह संयोजक बनाया गया।

लघु उद्योग भारती रांची महानगर इकाई की बैठक में कई विषयों पर चर्चा

सरकारी विभागों में विपन्न भुगतान में देरी पर उद्यमियों ने जतायी चिंता

नवीन मेल संवाददाता। रांची लघु उद्योग भारती रांची महानगर इकाई की बैठक बरियारु रोड स्थित श्री महावीर विकलांग सहायता समिति में हुई। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष सुनील गुप्ता, संचालन सचिव सत्य प्रकाश पांडे और धन्यवाद ज्ञापन संयुक्त सचिव मनीष सिंह ने किया। बैठक में मुख्यतः स्थानीय उद्यमियों के समक्ष आ रही चुनौतियों और समस्याओं पर चर्चा हुई। संस्था के सदस्यों ने सबसे गंभीर समस्या के रूप में सरकारी विभागों, उपक्रमों द्वारा विपन्न भुगतान में विलंब को चिन्हित किया। सरकारी विभाग यथा रिम्स, सदर अस्पताल, पीएचडी,



पीडब्ल्यूडी, नगर निगम सहित कई विभागों में विपन्न भुगतान की गति अत्यंत धीमी है। जिसके कारण संबंधित उद्यमियों के समक्ष गंभीर वित्तीय संकट बन जा रहा है। बाजार में शाख पर खराब असर पड़ रहा है। कई प्रतिष्ठान बंद होने

के कागार पर है। ऐसी स्थिति में इस विषय पर केंद्र सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुपालन को सुनिश्चित किया जाना चाहिए। अधिसूचना के अनुसार 45 दिनों के अंदर विपन्न भुगतान या विलंब होने पर बैंक ब्याज दर का तीन गुणा चक्रवृद्धि ब्याज की दर से भुगतान किया जाना चाहिए। इस गंभीर समस्या के समाधान के लिए एक उप समिति का गठन किया गया है। जिसके सदस्य ओम प्रकाश अग्रवाल के नेतृत्व में विभिन्न विभागों के साथ समन्वय स्थापित

कर समाधान के लिए प्रयास करेंगे। बैठक में सूबे के विभिन्न बोर्ड जैसे राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, जियाडा, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड आदि में लघु उद्योग भारती का प्रतिनिधित्व के लिए प्रयास करने का निर्णय लिया गया। बैठक में लघु उद्योग भारती के प्रांतीय अध्यक्ष विजय छपरिया, प्रकाश हेतमसरिया, अजय कुमार, अखिलेश्वर नारायण राय, रतन अग्रवाल, रामचंद्र कुमार, मधुसूदन अग्रवाल, अरविंद नाथ, भरत अग्रवाल, सरिता पांडे, नीतू सिंह, सुचित्रा छपरिया, आशा सिन्हा, अनिता पांडे एवं वीणा सिंह मौजूद थे।

चुनावों को भी प्रभावित करेगा डीपफेक?

जिस तरह के मामले भारत के अलावा विश्व में देखने को आ रहे हैं उससे इस बात का डर हो उत्पन्न हो गया डीपफेक चुनावी वर्ष 2024 में बड़ी समस्या बनने वाला है। डीपफेक तैयार करने के लिए जिस तकनीक की जरूरत पड़ती है, वह आज न सिर्फ पहले की तुलना में आसानी से उपलब्ध है, बल्कि कम लागत या कीमत में भी उपलब्ध है। इसके लिए जेनरेटिव एआई या कृत्रिम मेधा का इस्तेमाल किया जाता है। जेनरेटिव एआई की सहायता से किसी भी शैली और किसी भी भाषा में ई-मेल लिखे जा सकते हैं। ऐसे में, इसकी कोई गारंटी नहीं कि सीएफओ की तरफ से आए ई-मेल वाकई उन्होंने ही लिखे हैं। ऐसे में, आश्चर्य नहीं कि सिलिकॉन वैली के अनेक लोग बगैर विराम चिट्ठों के पोस्ट लिख रहे हैं- अभी तक यही एक तरीका दिख रहा है, जिससे पता चल सकता है कि इसमें एआई की मदद नहीं ली गई है।

इलेवनलैक्स जैसी वॉयस क्लोनिंग सर्विसेज इतनी पेशेवर हैं कि वे हू-ब-हू आवाजों की क्लोनिंग कर लेती हैं। आवाज को जानने की तकनीक जल्दी ही बेकाम की हो जाएगी। वॉयस मेल विश्वसनीय नहीं है। अगर किसी आवाज की क्लोनिंग करा ली गई है, तो जो भी पाठ में चुना जाएगा, वह उसी ही आवाज में बोलेगा। इसका एक बड़ा खतरा है-गलत हाथों में चले जाने पर वह आवाज किसी बड़े नेता के स्वर में न जाने क्या-क्या बोल डाले। इस लिहाज से आँडियो पर तो ध्यान रखना ही होगा, लेकिन डीपफेक वीडियो ज्यादा महत्वपूर्ण साबित होने जा रहे हैं।

और वीडियो से होगा। इलेवनलैक्स जैसी वॉयस क्लोनिंग सर्विसेज इतनी पेशेवर हैं कि वे हू-ब-हू आवाजों की क्लोनिंग कर लेती हैं। आवाज को जानने की तकनीक जल्दी ही बेकाम की हो जाएगी। वॉयस मेल विश्वसनीय नहीं है। अगर किसी आवाज की क्लोनिंग करा ली गई है, तो जो भी पाठ में चुना जाएगा, वह उसी ही आवाज में बोलेगा। इसका एक बड़ा खतरा है-गलत हाथों में चले जाने पर वह आवाज किसी बड़े नेता के स्वर में न जाने क्या-क्या बोल डाले।

इस लिहाज से आँडियो पर तो ध्यान रखना ही होगा, लेकिन डीपफेक वीडियो ज्यादा महत्वपूर्ण साबित होने जा रहे हैं। वीडियो में दिख रहे व्यक्ति को उसकी ही आवाज में सुने जाने पर भ्रम पैदा होगा। जो उसने नहीं कहा, वीडियो में उसे भी कहते देखा जाएगा। जो उसने नहीं किया, वीडियो में वह करते भी उसे देखा जाएगा। ऐसे में, जाहिर है, गलतफहमी, असमंजस और भ्रम की स्थिति से नफरत पैदा होगी।भावनाओं पर आधारित भारतीय राजनीति के दंव पेंच में इसका बहुत ही बड़ा जोखिम है। इससे कॉरपोरेट जासूसी और भयावहन को बल मिलेगा। वर्ष 2024 में दुनिया की आधी से अधिक आबादी चुनावों में हिस्सा लगेगी। अमेरिका के अलावा भारत, इंडोनेशिया, मैक्सिको, रूस और ब्रिटेन सहित कई देशों में चुनाव होने वाले हैं। हर चुनाव में डीपफेक वीडियो बड़ी भूमिका निभाएंगे। मतदाताओं में व्याप्त भ्रम का असर चुनावी नतीजों पर भी पड़ सकता है। यूक्रेन और गाजा के मोर्चों पर डीपफेक वीडियो पहले ही पहुंच चुके हैं, जिससे फैसले उन घटनाओं के आधार पर लिए जा रहे हैं, जो कभी घटी ही नहीं। चुनावी घोषणापत्र, कॉरपोरेट ब्लैकमेलिंग, बाजारों को अपने हितां के अनुरूप चालित करने और डीपफेक के कारण सख्त सुरक्षा से जुड़े खर्च के मामले वर्ष 2024 में बढ़ेंगे। ऐसे में, यह चर्चा, चिंता और लड़ाई सतत बनी रहेगी कि कोई लिखित सामग्री, कोई तस्वीर, कोई आँडियो क्लिप या कोई वीडियो असली है या फर्जी। इससे एक बड़ा खतरा यह भी है सच को भी लोग कहीं झूठ न मान लें।

राजनीति

नये साल से उम्मीदें तो बहुत हैं मगर कई चुनौतियां भी सामने खड़ी हैं



हमने बीते वर्ष में श्रेष्ठताओं की उपलब्धि पर सात्विक गर्व करने की अनेक स्थितियों को रचा है लेकिन हम सबके लिए और देश के लिए भी आने वाले वर्ष कुछ महत्वपूर्ण करणीय कार्य हैं।

आजादी के अमृत काल में भी शिक्षा, चिकित्सा एवं पर्यावरण से जुड़ी चिन्ताओं का गहन बना रहना हमारी विकास यात्रा पर एक सवालिया निशान है। शिक्षा जगत से जुड़ी एक खबर सामने आई है, वह यह कि बहती महंगाई और बदलते नियमों से विदेशों में पढ़ाई मुश्किल हुई है। नया साल प्रारंभ हो गया है तो हर बार की तरह इस बार भी नई उम्मीदें, नया विश्वास एवं नया धरातल लाया है। बीत गया एक और साल। नये की स्विकृति के साथ पुराने को अलविदा कह देने की सामान्य सोच रही है। यह समझ देखी गयी है कि नयेपन के जादुई आकर्षण के जागते ही हम पुरानेपन को उतार फेंकना चाहते हैं। हमने बीते वर्ष में श्रेष्ठताओं की उपलब्धि पर सात्विक गर्व करने की अनेक स्थितियों को रचा है लेकिन हम

सबके लिए और देश के लिए भी आने वाले वर्ष कुछ महत्वपूर्ण करणीय कार्य हैं। निश्चित ही नया साल हमेशा की तरह कुछ सवाल भी लेकर आया है। ऐसे सवाल जिनका हल निकाले बिना शायद हम संतुष्ट न हो पाएँ और नये भारत-सशक्त भारत का सपना आधा-अधुरा ही कहा जायेगा। ऐसे नये-पुराने सवाल हर नये साल में सामने आते रहे हैं। कुछ सवालों को हल करने में हम सफल रहे,

लेकिन कुछ सवाल हमेशा की तरह अनुत्तरित ही रह गये। सच तो यह है कि नई जिन्दगी की शुरुआत ही नया वर्ष है। यह पुरुषार्थ का सन्देश है, अधूरे रहे कामों एवं संकल्पों को पूरा करने का। इन क्षण जड़ताओं को तोड़कर मुक्त होती है हमारे विकास की उजली संभावनाएँ। यह अच्छाइयों एवं अधूरे रहे कार्यों को पूरा करने की ओर मुड़ने की प्रेरणा है। अर्धशून्य दरें की जीवनशैली एवं विकास योजनाओं को बदलने का बुजुर्गी सुझाव है। समस्या जब बहुत चिन्तनीय बन जाती है तो उसे बहुत गंभीरता से नया मोड़ एवं रफ्तार देने की जरूरत है। शिक्षा, चिकित्सा एवं पर्यावरण से जुड़ी समस्याएँ से जुड़े ऐसे ही अफसोस के अहसास हमारे लिये गंभीर होने चाहिए। आजादी के अमृत काल में भी शिक्षा, चिकित्सा एवं पर्यावरण से जुड़ी चिन्ताओं का गहन बना रहना हमारी विकास यात्रा पर एक सवालिया निशान है।

समुद्र मंथन की कथा



तभी से इन्द्र सहित तीनों लोक वृक्ष लता आदि के क्षीण हो जाने से श्रीहीन और नष्ट होने लगे। यज्ञ का होना बंद हो गया, तपस्वियों ने तप करना छोड़ दिया और लोगों की दान धर्म में रुचि नहीं रही। इस प्रकार त्रिलोकी के श्रीहीन और सामर्थ्यहीन हो जाने पर दैत्यों ने देवताओं पर चढ़ाई कर दी और दोनों पक्षों में घोर युद्ध ठना। अंत में दैत्यों द्वारा देवतालोग पराजित हुए। दैत्यों द्वारा पराजित होकर देवतागण ब्रह्माजी की शरण में गये। देवताओं से सारा वृत्तांत सुनकर ब्रह्माजी ने कहा - 'हे देवगण, तुमलोग भगवान विष्णु की शरण में जाओ वे अवश्य तुम्हारा मंगल करें।' सभी देवताओं से इस प्रकार कहकर ब्रह्माजी भी उनके साथ विष्णुलोक गये। वहाँ पहुँचकर सबने अनेकों प्रकार से भगवान विष्णु की

स्तुति की। उनकी स्तुति से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु ने देवताओं से उनके आने का कारण पूछा। देवता बोले - 'हे विष्णो ! हम दैत्यों से परास्त होकर आपकी शरण में आये हैं। हे देव ! आप हम पर प्रसन्न होइए और अपने तेज से हमें सशक्त कीजिये।' भगवान विष्णु बोले - ' हे देवगण ! मैं तुम्हारे तेज को फिर बढ़ाऊँगा। तुमलोग इस समय में जो कुछ कहता हूँ वह करो। तुम दैत्यों के साथ सम्पूर्ण औषधियाँ लाकर क्षीरसागर में डालो और मंदराचल पर्वत को मथनी और नागराज वासुकि को नेती बनाकर उसे दैत्य और दानवों सहित मेरी सहायता से मथकर अमृत निकालो। तुमलोग सामन्ती का अवलम्बन लेकर दैत्यों से कहा कि 'इस काम में सहायता करने से आपलोग भी इसके फल में सम्मान भाग पायेंगे।' समुद्र मंथन से जो अमृत निकलेगा उसका पान करने से तुम सबल और अमर हो जाओगे। (क्रमशः)

पलामू सहित पूरे झारखंड में धड़ल्ले से शराब की निर्धारित कीमत से प्रति बोटल औसतन 10 से 30 रुपये अधिक वसूल जा रहे हैं।

हैरानी होती है कि, कई शिकायतें प्राप्त होने के बावजूद विभागीय अधिकारी, मंत्री - मुख्यमंत्री सब मौन हैं। दुकानदार बेवसी में 'ऑफिशियल खर्च' चुकाने की मजबूरी बताते हैं।

हेमंत जी, आखिर ये 'ऑफिशियल खर्च' क्या है?

लगता है साहिबगंज डीसी की तरह पूरे राज्य में ऑफिशियल खर्च से ही कुछ मानीनीयों और बाबुओं का गुजारा चल रहा है, तभी तो ये लोग अपने सरकारी वेतन को हाथ तक नहीं लगाते।

हेमंत सोरनेन जनता का जब काटकर अपना खर्चा निकालना बंद करिए। ये जनता है, पाई-पाई का हिसाब लेना जानती है!

फेसबुक वॉल से

Surendra Kishore
अयोध्या से बिहार का अटूट संबंध

तीनों प्रमुख चरणों में बिहार का योगदान

सुरेंद्र किशोर

1- बिहार के मूल निवासी अभिराम दास ने सन 1949 में बाबरी ढांचे में रामलला की मूर्ति स्थापी की। उनके शिष्यों ने इस मामले में अभिराम दास की मदद की। वे बिहार के मधुबनी जिले के मूल निवासी थे। मधुबनी मिथिला में है। मिथिला श्रीराम की ससुराल है।

2- 1989 में बिहार के ही कामेश्वर चैपाल ने राम मंदिर के शिलान्यास की पहली ईंट रखी थी। चैपाल अयोध्या ट्रस्ट के सदस्य हैं और अनुसूचित जाति से आते हैं। (उनकी जाति में जान बूझ कर लिख रहा हूँ ताकि लोग जातों की यह सब "मनुवादी अभिमान" नहीं हैं।)

3- विश्व हिन्दू परिषद के अध्यक्ष डा.आर.एन.सिंह 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए पत्नी के साथ यजमान बनाए जाएँगे। पद्मश्री से सम्मानित डा.सिंह बिहार में हड़्डी रोग के सबसे बड़े चिकित्सक हैं।

5 जनवरी 24

256 likes, 34 comments, 13 shares

X - से

Babulal Marandi @yourBabulal

पलामू सहित पूरे झारखंड में धड़ल्ले से शराब की निर्धारित कीमत से प्रति बोटल औसतन 10 से 30 रुपये अधिक वसूल जा रहे हैं।

हैरानी होती है कि, कई शिकायतें प्राप्त होने के बावजूद विभागीय अधिकारी, मंत्री - मुख्यमंत्री सब मौन हैं। दुकानदार बेवसी में 'ऑफिशियल खर्च' चुकाने की मजबूरी बताते हैं।

हेमंत जी, आखिर ये 'ऑफिशियल खर्च' क्या है?

लगता है साहिबगंज डीसी की तरह पूरे राज्य में ऑफिशियल खर्च से ही कुछ मानीनीयों और बाबुओं का गुजारा चल रहा है, तभी तो ये लोग अपने सरकारी वेतन को हाथ तक नहीं लगाते।

हेमंत सोरनेन जनता का जब काटकर अपना खर्चा निकालना बंद करिए। ये जनता है, पाई-पाई का हिसाब लेना जानती है!

अपने पत्र हमें इमेल कर सकते हैं - article.rnmail@gmail.com

हिट एंड रन... पहले व्यवस्था दुरुस्त हो, फिर सख्ती

यकीनन कानून में सुधार वक्त का तकाजा है। राजा जी बात दुर्घटना करने वालों की पतासाजी की तो आजकल जगह-जगह सीसीटीवी लगे हैं। टोल नाके भी हैं। सबके साथ समन्वय बिठाकर भी आरोपित तक पहुँचा जा सकता है। जब बड़े-बड़े हाइवे और राजमार्गों पर अरबों रुपये खर्च होते सकते हैं तो क्या कुछ हजार और खर्च कर हर किलोमीटर पर सीसीटीवी नहीं जरूरी नहीं हो सकते? यकीनन तीसरी आंख और तकनीक की निगरानी से झड़वरो पर नकैल के साथ सुरक्षा भी दी जा सकती है, जिसका सभों पर सचेतनात्मक असर पड़ेगा। जब व्यवस्था दुरुस्त हो जायेगी तो सख्त और प्रैक्टिकल कानूनों से भला कोई क्यों ऐतराज करेगा? सुकून की बात है कि ट्रांसपोर्टर्स की

कम तनखाहा, गरीबी, गुजारा और साधारण रहन-सहन के चलते भारत के समकक्ष माने जाने वाले देशों के मुकाबले हमारे प्राइवेट ड्राइवरो की हैसियत एक मजदूर से ज्यादा नहीं है।

देशव्यापी हड़ताल खत्म हो गई। इससे भी अच्छी बात यह रही कि सरकार को जल्द समझ आ गया कि मामला हाथ से निकलता दिख रहा है। इधर देशभर के तमाम ट्रांसपोर्टर संगठनों को 'हिट एंड रन' मामले में सजा के नये प्रावधानों को लेकर न केवल काफी भ्रम था बल्कि खासकर झड़वरो की चिंता वाजिब थी। हो सकता है कि एकाएक सरकार के बैकफुट पर आने की वजह सामने

आ रहे आम चुनाव हों? लेकिन कानून के सबसे ज्यादा असर से डरे झड़वरो का डर और भविष्य कि चिंता भी नकारी नहीं जा सकती है। कम तनखाहा, गरीबी गुजारा और साधारण रहन-सहन के चलते भारत के समकक्ष माने जाने वाले देशों के मुकाबले हमारे प्राइवेट ड्राइवरो की हैसियत एक मजदूर से ज्यादा नहीं है। भारत में हर साल करीब साढ़े चार लाख सड़क दुर्घटनाओं में डेड़ लाख मौतें होती हैं। जबकि हिट एंड रन से 25-30 हजार लोगों की जान चली जाती है। सच है कि दुर्घटना जानबूझकर कोई नहीं करता। लेकिन दुर्घटना के बाद झड़वर फरार हो जाते हैं, क्योंकि यदि रुकेगा तो आसपास जकड़ुई हुई भीड़ बिना गलती के झूठ ही फैसला करने लगती है। अनेकों उदाहरण सामने हैं कि सड़क दुर्घटनाओं के बाद पकड़े गये झड़वर किस बुरी तरह पिटे हैं, उनकी मौत तक हो जाती है।

टेक वर्ल्ड

10 उपयोगी टेक्नोलॉजी टिप्स

आप अपने टाइपिंग कार्यों को तेज करने के लिए स्पीक-टू-टेक्स्ट फंक्शन को भी नियोजित कर सकते हैं, जिससे टेक्स्ट इनपुट अधिक कुशल हो जायेगा। इन सरल लेकिन शक्तिशाली युक्तियों को अपनी दैनिक तकनीकी दिनचर्या में शामिल करने से कार्यों को सरल बनाने और उत्पादकता को बढ़ाकर आपके जीवन को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया जा सकता है। इन रणनीतियों को अपनाना हमारी तकनीक-संचालित दुनिया में अधिक सहज और तनाव-मुक्त अस्तित्व की दिशा में एक कदम है। नियमित ईमेल, आधिकारिक आमंत्रण और ग्राहक सेवा शिकायतें लिखने जैसे समय लेने वाले कामों के लिए चैटजीपीटी का उपयोग करना अंतिम तकनीकी चाल है जो उपभोक्ताओं को समय बचाने में मदद कर सकती है। भाषा प्रसंस्करण तकनीक भेजी गई

तैयार सामग्री का उत्पादन कर सकती है जो व्याकरणिक रूप से सही और पढ़ने में आसान है। उपयोगकर्ताओं को केवल कुछ संदर्भ, उनकी पसंदीदा टोन और लेखन शैली, और किसी अन्य आवश्यक डेटा, जैसे दिनांक या नाम के साथ टूल पेश करने की आवश्यकता है।

2. लिखने के बजाय बोलकर लिखें और समय बचाएं

यदि आपके पास समय की कमी है या किसी चोट के कारण टाइप करने में परेशानी हो रही है तो वॉयस टाइपिंग टूल का उपयोग करें। यह Google Docs और Microsoft Word में उपलब्ध है। इस सुविधा को सक्षम करने के लिए बस होम मेनू से डिक्टेशन विकल्प चुनें या वर्ड में डिक्टेशन टूलबार तक पहुंचने के लिए विंडोज कुंजी + एच (Windows + H) दबाएं। (क्रमशः)

आपकी बात



झारखंड का संपूर्ण अखबार नवीन मेल

'इंडिया' स्तम्भ में पुलिस जगत के छिपे रोग के निदान की सटीक समीक्षा किसी अच्छे पैथोलोजिकल लैब के रिपोर्ट जैसा लगा। समाधान स्वरूप लिखा गया सुख पुलिस बिरादरी को पुरुषार्थ बनाने में सहायक सिद्ध हो सकता है। पुलिस जगत की अद्यतन विवेचना प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों के लिए एक वातावरण खोलकर समसामयिक ज्ञान अर्जन की उद्दीपना पैदा करता है। लाइफ जैकेट पहन समंदर में उतर देश के 'चौकीदार प्रधान सेवक' जनता में साहस ही पैदा नहीं कर रहे हैं, समुद्र तल से 'मुक्ता मणि' बटोरने का अभ्यास हो रहा है। हाल में ही क्षितिज को चीर कर तेजस की साहसिक यात्रा भी की थी। धरती पर व्यवस्थाओं के बीच गुफा में ध्यान भी लगा लेते हैं। जल, नभ, वसुंधरा के पराक्रमी प्रधान मंत्री पर देश को गर्व है! समाचार मिला कि रांची का अर्यभट्ट सभागार देश की विभिन्न भाषाओं के वजनदार शब्दों निनादित हो रहा है। सर्व भाषा कवि सम्मेलन के आयोजक और जान सवाहक आकाशवाणी रांची को हृदय से धन्यवाद। आयुष्मान भारत योजना की विश्वसनीय छत्रप के नीचे राजेंद्र आर्युर्विज्ञान संस्थान रांची में एरोटीक डिसेक्सन सर्जरी द्वारा सफल शल्योपचार के लिए डॉ. विनीत महाजन एवं डॉ. शिवप्रिय को प्रणाम। 40 मिनट तक रक्तप्रवाह रोक कर शल्य चिकित्सकों के दल ने अभूत पूर्व सूझ बुझ से जीवन प्रदान कर रिमस के चिकित्सक और चिकित्सा सहायक भगवान की श्रेणी में आ गये। स्कूली बच्चों के शैक्षणिक प्रश्न के आयोजन का समाचार विद्यालय की कक्षाओं से बाहर उन्मुक्त वातावरण में सार्थक शिक्षण को मूर्तरूप दे रहे हैं। रांची में टैगोर हिल शैलानी बच्चों से गुंजायमान रहते पाये जाते हैं। यदि आयोजक, बस वहाँ, श्री राम कृष्ण मिशन के भवन में स्वामी विवेकानंद जी के जीवन पर आधारित संग्रहालय भी छत्र छात्राओं को दिखा दें तो प्रश्न और सार्थक हो सकता है। पढ़ाई में रुचि रखने वाले छात्र विवेकानंद साहित्य विक्रय केंद्र से पुस्तकों की खरीददारी भी कर सकते हैं। नि:शुल्क प्रवेश प्राप्त संग्रहालय वृहत्पतिवार को छोड़ कर अन्य दिनों में प्रातः आठ से बाह्र और अपराह्न चार से छः बजे तक खुला रहता है। जमीनी संस्कृति से जुड़े आदिवासी समाज द्वारा पूर्वजों की याद में किया जाने वाला 'हड़गुरी पूजा' का आयोजन अभिभूत करता है। पूजा संबंधी समाचार पढ़ते हुए एक नये नाम का संकलन किया, 'बिरयानी' कच्छप। झारखंड मैथिली मंच सं संबन्धित एक समाचार म 'विद्यापति दलान' क उल्लेख बड़ू मीठ लागल।

- **देश कुमार घोष, अवकाशप्राप्त प्राचार्य, डी ए वी कॉलेज मैनेजिंग कमिटी नई दिल्ली।**

...लाशें उठवा लो, पति और जेट को लुढ़का कर आई हूँ

हाथ में पिस्टल लेकर थाने पहुंची महिला, घबराकर कुर्सी से खड़े हो गए पुलिसवाले

एजेंसी। उज्जैन

मध्य प्रदेश के उज्जैन में प्रांपटी विवाद को लेकर एक महिला ने अपने पति और जेट की गोली मारकर हत्या कर दी और फिर अपराध में इस्तेमाल पिस्टल के साथ थाने जाकर सरेंडर कर दिया। आरोपी महिला ने यह कहते हुए सरेंडर किया कि पति और जेट को लुढ़का कर आई हूँ, दोनों की लाश उठवा लो। हाथ में पिस्टल पकड़े हुए महिला के मुँह से यह शब्द सुनते ही पुलिसकर्मी अपनी-अपनी कुर्सी से खड़े हो गए। घटना उज्जैन जिला मुख्यालय से करीब 25 किलोमीटर दूर इंगोरिया गांव में हुई और मृतकों की पहचान



आरोपी सविता के पति राधेश्याम (41) और उसके जेट दिनेश

(47) के रूप में हुई है। इंगोरिया थाना प्रभारी चंद्रिका सिंह यादव

ने बताया, राधेश्याम की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि दिनेश

5 करोड़ की जमीन का विवाद

इस मामले में आरोपी महिला ने पुलिस को बताया कि फोरलेन हाइवे पर उसकी 5 करोड़ रुपए की जमीन को जेट दिनेश हथियाना चाहता था। इसी के चलते पति राधेश्याम को नशा कराता था। जेट के बहकावे में आकर पति भी आए दिन मारपीट करता था। सोमवार सुबह सुबह पति गाली दे रहा था, इसके चलते गुस्से में आकर बिस्तर के नीचे से पिस्टल निकाली। पहले जेट को गोली मारी और फिर पति को मौत के घाट उतार दिया। महिला ने रोज रोज की मारपीट और हिंसा से तंग आकर यह कदम उठाने का दावा किया। उसका कहना था कि 2 बेटों और एक बेटे के भविष्य की खातिर उसने इस वारदात को अंजाम दिया।

ने बड़नगर अस्पताल में गोली लगने से दम तोड़ दिया। इसके बाद आरोपी ने पिस्टल के साथ सरेंडर कर दिया। महिला ने पहले अपने पति और फिर अपने जेट

को गोली मारी। सविता (35) एक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता है। शुरूआती जांच में यह मामला संपत्ति विवाद का नतीजा बताया जा रहा है।

कोलकाता आएंगे पीयूष गोयल, जूट उद्योग की समस्याओं का होगा समाधान

एजेंसी। कोलकाता

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 06 जनवरी को एक सरकारी कार्यालय भवन परिसर का उद्घाटन करने तथा जूट मिल एवं चाय बोर्ड के प्रतिनिधियों से मिलने के लिए कोलकाता आने वाले हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 'पटसन भवन' का उद्घाटन करने के लिए यहां आने वाले हैं। इस भवन में जूट आयुक्त का कार्यालय और भारतीय जूट निगम व राष्ट्रीय जूट बोर्ड का मुख्यालय होगा। तीनों संस्थाएं उनके मंत्रालय के अंतर्गत आती हैं। कार्यक्रम के अनुसार, भवन का उद्घाटन करने के बाद मंत्री के जूट मिलों और चाय बोर्ड के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की उम्मीद है। दोनों बैठक न्यू टाउन के एक होटल में होगी।



सूत्रों ने बताया कि प्रस्तावित बैठक के दौरान मिलों के प्रतिनिधि सरकार द्वारा खरीदे गए जूट उत्पादों के मूल्य निर्धारण पर टैरिफ आयोग की सिफारिशें लागू करने की मांग कर सकते हैं। मंत्री का उसी दिन पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में भी शामिल होने का कार्यक्रम है। कोलकाता के पूर्वी छोर पर राजारहाट, न्यू टाउन स्थित 'पटसन भवन' एक बहुमंजिला इमारत है जिसका निर्माण लगभग 70 करोड़ की लागत से किया गया है।

एक नजर

पीएम ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता को दी जन्मदिन की बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को उनके जन्मदिन पर बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर अपने शुभकामना संदेश में लिखा, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता दीदी को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं। उनके लंबे और स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना करता हूँ।

जॉर्डन में फंसे बिहारी मजदूरों ने वतन वापसी की लगाई गुहार

पटना। बिहार के मजदूरों के साथ अन्याय का एक वीडियो शुक्रवार को तेजी वायरल हो रहा है। बिहार के सीतामढ़ी जिले के रहने वाले पांच मजदूर जॉर्डन में फंसे हुए हैं। काम करने के बाद कंपनी ने सभी को एक पैसा नहीं दिया है। अब सभी भारत लौटना चाहते हैं। सभी ने केन्द्र और राज्य सरकार से उन्हें जॉर्डन से वापस लाने की गुहार लगाई है। सीतामढ़ी के मजदूरों ने जॉर्डन से एक वीडियो भेजा है। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें मजदूर रोते हुए वतन लौटने की इच्छा जता रहा है। मजदूर यह कह रहा है कि हम लोग यहां भूखे मर रहे हैं...कोई पूछने तक नहीं आता है। कंपनी का मालिक भी हाल देखने नहीं आता है। हर रोज रोड पर आकर खड़े हो जाते हैं। ना खाना मिलता है और ना पीने के लिए पानी ही मिलता है। हम लोगों को भारत बुलाने की कोशिश की जाए सर। हाथ जोड़कर विनती कर रहे हैं सरकार हम लोगों की मदद की जाए। घर जाने के लिए तड़प रहे हैं। हम लोगों को यहां कोई देखने वाला नहीं है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आज सिक्किम दौरे पर

गंगटोक। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामले की मंत्री निर्मला सीतारमण शनिवार को तीन दिवसीय दौरे पर सिक्किम पहुंच रही हैं। सिक्किम प्रवास के दौरान केंद्रीय मंत्री सीतारमण गंगटोक के मनन केंद्र में आयोजित होने वाले क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम में भाग लेंगी। वह पूर्वी सिक्किम में भारत-चीन सीमा पर स्थित गांव कुपुप का दौरा करेंगी। केंद्रीय वित्त मंत्री 8 जनवरी को सिक्किम से नई दिल्ली लौटेंगी।

धर्म से राजनीति चलती है, राजनीति से धर्म नहीं राम पर राजनीति करना मूर्खता : धीरेन्द्र शास्त्री

एजेंसी। छतरपुर

श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर जारी सियासत के बीच प्रसिद्ध कथावाचक बगेश्वरधाम के महंत पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि भगवान श्रीराम राजनीति का विषय नहीं हैं। राजनीति धर्म से चलती है। धर्म राजनीति से नहीं चलता। राम की नीति है, जो गरिमा, एकता और शांति है। ऐसे में कोई गेटियां सेक रहा है तो यह मूर्खता है। पं. धीरेन्द्र शास्त्री शुक्रवार को नोएडा में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर राममंदिर का श्रेय लेने का दावा करने वाले राजनीतिक दलों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भगवान राम



सबके हैं। जातिवाद के लिए राम मंदिर नहीं बन रहा। शबरी का मंदिर बन रहा, निषादराज का भी मंदिर बन रहा है तो क्या ये जातिवाद के लिए बन रहा है? जातिवाद के लिए मंदिर नहीं है, अपितु सभी रामभक्तों की आस्था के लिए मंदिर बन रहा है। उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आमंत्रण को लेकर कहा कि वे अयोध्या जाने को लेकर अति उत्साहित हैं। राममंदिर आजतक की

समस्त सनातनियों को सबसे बड़ी विजय है। यह उत्सव दीपावली से बहुत ज्यादा खास है। निश्चित ही कोई अभंगा होगा, जिसको इस दिन का इंतजार न हो। केवल भारतीयों को नहीं, दुनियाभर में रहने वाले भारतवर्षियों को इस दिन का बेसब्री से इंतजार है। इस दौरान उनसे जानवाणी और मथुरा जन्मभूमि के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि इसमें कोई दो राय नहीं है। यह साबित हो गया है कि ज्ञानवाणी में भगवान शिव हैं और कृष्ण जन्मभूमि कहना शिव हैं। इन मामलों में एक की कोई जरूरत नहीं है, भारत का एक कानून और सुप्रीम कोर्ट है। फिलहाल एएसआई की रिपोर्ट से यहां सनातन का मंदिर होने का प्रमाण मिलता है। पंडित धीरेन्द्र शास्त्री ने इस दौरान

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) चीफ असदुद्दीन ओवैसी पर उनकी हालिया टिप्पणी को लेकर भी निशाना साधा और कहा कि यह ओवैसी के डर को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि हम मस्जिदों पर मंदिर नहीं बनाना चाहते, बल्कि मंदिरों का पुनर्निर्माण करना चाहते हैं। अगर उन्हें यह डर है तो मैं कामना करता हूँ कि यह डर उनके अंदर बना रहे। दरअसल, ओवैसी ने गत दिनों मुस्लिम युवाओं से भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे कामों पर नजर रखने की अपील करते हुए कहा था कि देश में मस्जिदें आबाद रहनी चाहिए। हमने अपनी मस्जिद खो दी है और आप देख रहे हैं कि वहां क्या किया जा रहा है।

खरगे से मुलाकात के बाद शर्मिला ने कहा कोई भी जिम्मेदारी लेने को तैयार हूँ



एजेंसी। नई दिल्ली। वाईएसआर तेलंगाना पार्टी के कांग्रेस में विलय के एक दिन बाद, वाई एस शर्मिला ने शुक्रवार को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिलकर खुशी हुई। आगे बढ़ने और विभिन्न मोर्चों पर पार्टी को मजबूत करने के बारे में उनका मार्गदर्शन लिया। आगे और नया क्या होगा, इसके लिए उत्साहित हूँ। शर्मिला ने उन्हें दी जाने वाली जिम्मेदारी पर चर्चा के लिए एआईसीसी महासचिव (संगठन) केशी वेणुगोपाल से भी मुलाकात की। उन्हें उम्मीद है कि उनकी जिम्मेदारी पर एक या दो दिन में स्थिति साफ हो जाएगी। गुरुवार को राहुल गांधी और अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में मल्लिकार्जुन खरगे ने शर्मिला को पार्टी में शामिल किया था।

लेने के लिए तैयार हूँ। बाद में उन्होंने अपने एक्स अकाउंट से पोस्ट करते हुए लिखा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिलकर खुशी हुई। आगे बढ़ने और विभिन्न मोर्चों पर पार्टी को मजबूत करने के बारे में उनका मार्गदर्शन लिया। आगे और नया क्या होगा, इसके लिए उत्साहित हूँ। शर्मिला ने उन्हें दी जाने वाली जिम्मेदारी पर चर्चा के लिए एआईसीसी महासचिव (संगठन) केशी वेणुगोपाल से भी मुलाकात की। उन्हें उम्मीद है कि उनकी जिम्मेदारी पर एक या दो दिन में स्थिति साफ हो जाएगी। गुरुवार को राहुल गांधी और अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में मल्लिकार्जुन खरगे ने शर्मिला को पार्टी में शामिल किया था।

ईडी टीम पर हमला करने वालों में रोहिंग्या भी शामिल

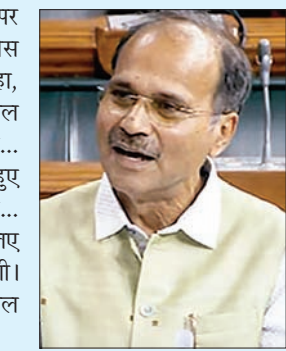
एजेंसी। कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) सुवेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि अवैध रोहिंग्या घुसपैटिए उन गुंडों का हिस्सा थे, जिन्होंने ईडी टीम और सीएपीएफ कर्मियों पर हमला किया था।

एलओपी ने कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से गृह मंत्री अमित शाह को पूरे प्रकरण के बारे में सूचित किया है और उनसे हमलावरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने को कहा है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री निसिथ प्रमाणिक ने भी हमले की निंदा की है। मैंने सुना है कि कार्यक्रम को कवर कर रहे कई मीडियाकर्मियों पर भी हमला किया गया, जबकि कुछ मीडियाकर्मियों गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। प्रमाणिक ने सवाल किया, पश्चिम बंगाल में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति कहाँ है? प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सौम्या आइच रॉय ने भी हमले की निंदा करते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, जो राज्य पुलिस विभाग की प्रभारी मंत्री भी हैं, को हमले की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। टीएमसी के राज्यसभा सदस्य संतंतु सेन ने कहा कि संदेशखाली की



आज घायल हुए हैं... कल हो सकती है हत्या : अधीर रंजन

बंगाल में ईडी की टीम पर हमले पर प्रतिक्रिया देते हुए बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने कहा, इस हमले से जगजाहिर है कि बंगाल में कानून व्यवस्था का क्या हाल है... आज तो एक ऑफिसर घायल हुए हैं... कल को खून भी हो सकता है... और अगर ऐसा होता है तो मेरे लिए कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी। ईडी को अपने साथ और सुरक्षा बल लेकर चलना चाहिए।



बहुत मुखर हैं और पश्चिम बंगाल में केंद्रीय एजेंसी की कार्रवाइयों के पक्ष में हैं, वे खुद बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार में शामिल हैं। लेकिन मैं मीडियाकर्मियों पर हमले की निंदा करता हूँ।

मोदी के नेतृत्व में हम कर्नाटक में कांग्रेस युग का अंत देखने के लिए प्रतिबद्ध : देवेगौड़ा

बेंगलुरु। पूर्व प्रधानमंत्री और जद (एस) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एचडी देवेगौड़ा ने शुक्रवार को कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उनकी पार्टी कर्नाटक में कांग्रेस युग का अंत देखने के लिए प्रतिबद्ध है। देवेगौड़ा ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कर्नाटक सरकार द्वारा हिंदू कार्यकर्ताओं के खिलाफ की जा रही कार्रवाई पर एक सवाल का जवाब देते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि वे एनडीए को हराने और राज्य में संसदीय चुनाव में 20 सीटें जीतने के सपने के साथ यह सब कर रहे हैं। देवेगौड़ा ने कहा, एक तरफ, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी श्री राम का नाम जप रहे हैं। वह व्रत रख रहे हैं और सरयू नदी में स्नान कर रहे हैं। यहां सीएम सिद्धारमैया, जिन्होंने कांग्रेस अपना राम मानती है, के नाम पर लोकसभा की 20 सीटें जीतना चाहती है। यह एक सपना ही रहेगा।



लोकसभा चुनाव के मद्देनजर नड्डा करेंगे मोर्चा के अध्यक्षों और नए प्रभारियों के साथ बैठक

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सभी सात मोर्चों के प्रभारी बदले जाने के बाद अब इनके पदाधिकारियों की बैठक शनिवार को होने जा रही है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सभी मोर्चों के अध्यक्षों और प्रभारियों की इस बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इसके साथ हर महीने होने वाली राष्ट्रीय महासचिवों की बैठक भी आयोजित की जाएगी। उल्लेखनीय है कि भाजपा अध्यक्ष ने पदाधिकारियों की नियुक्ति की है, जिसमें राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल को युवा मोर्चा का प्रभारी बनाया गया है जबकि पार्टी उपाध्यक्ष वैजयंत जय पांडा को महिला मोर्चा का प्रभारी बनाया गया है। राष्ट्रीय महासचिव बंडी संजय कुमार को किसान मोर्चा, तरुण चुंग को अनुसूचित जाति मोर्चा, डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल को अनुसूचित जनजाति, विनोद तावड़े को ओबीसी मोर्चा और अल्पसंख्यक मोर्चा का प्रभारी दुर्धत कुमार गौतम को बनाया गया है। पहले ओबीसी मोर्चा के प्रभारी अरुण सिंह थे।



एनसीसी कैडेट युवाओं के लिए रोल मॉडल : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मकता की ओर मोड़कर युवा विकास और राष्ट्रीय प्रगति के एक नए युग की शुरुआत करने के लिए एनसीसी की सरहना की। उपराष्ट्रपति ने एनसीसी कैडेटों को भारत के उत्थान में महत्वपूर्ण हितधारक बताते हुए कहा कि वे देश के युवाओं के लिए रोल मॉडल हैं। धनखड़ ने शुक्रवार को नई दिल्ली में एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर-2024 के उद्घाटन के दौरान सभा को संबोधित करते हुए एनसीसी कैडेट के रूप में अपने दिनों को याद करते हुए कहा कि कैडेट भावना शाश्वत और स्थायी है। उपराष्ट्रपति ने कैडेटों से गरिमा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने का आग्रह करते हुए 2047 तक भारत को वास्तव में विकसित राष्ट्र और विश्व नेता बनाने के लिए उत्साह, वीरता और समर्पण के साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित किया।



उत्तर भारत शीतलहर की चपेट में, अगले तीन दिनों तक ठंड से राहत नहीं

नई दिल्ली। उत्तर भारत इन दिनों शीतलहर की चपेट में है। इन क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान 4 से 7 डिग्री के बीच दर्ज किया जा रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले तीन दिनों तक उत्तर भारत के राज्यों में कड़ुके की ठंड जारी रहेगी। इन राज्यों में घने कोहरे से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। मौसम विभाग के अनुसार पूर्वी उत्तर प्रदेश में अति घना कोहरा दर्ज किया गया। इसके साथ दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिमी, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, छत्तीसगढ़, राजस्थान में घना कोहरा दर्ज किया गया। यहां विजिबिलिटी 50 मीटर से लेकर 200 मीटर देखने को मिली। वहीं, दक्षिणी राज्यों में भारी बारिश दर्ज की गई। केरल और तमिलनाडु में भारी वर्षा दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन दिनों तक उत्तर भारत के कई इलाकों में न्यूनतम तापमान 6 डिग्री से नीचे बना रहेगा।



एसटीएफ ने मुठभेड़ में माफिया विनोद उपाध्याय को किया डेर, सिर पर था एक लाख का इनाम

लखनऊ। यूपी एसटीएफ ने गोरखपुर के कुख्यात माफिया विनोद उपाध्याय को मुठभेड़ में डेर कर दिया है। बताया जा रहा है कि गुरुवार की रात सुल्तानपुर में एसटीएफ और माफिया के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई, जिसमें पुलिस की जवाबी कार्रवाई में माफिया डेर हो गया। विनोद उपाध्याय के सिर गोरखपुर पुलिस ने एक लाख रुपये इनाम की घोषणा की थी। पुलिस को उसकी जमीन कब्जाने, हत्या और हत्या के प्रयास समेत कई मामलों में तलाश थी। विनोद उपाध्याय पुत्र रामकुमार उपाध्याय मूल रूप से मयाबाजार थाना महाराजगंज, अयोध्या का रहने वाला था। अपराध की दुनिया का बड़ा नाम और उत्तर प्रदेश के टॉप 61 माफिया की सूची में शामिल माफिया विनोद कुमार उपाध्याय पर एडीजी जोन गोरखपुर ने एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। गुरुवार की रात बदमाश विनोद उपाध्याय और एसटीएफ के मध्य सुल्तानपुर के थाना कोतवाली देहात क्षेत्र में मुठभेड़ हो गई। जिसमें विनोद उपाध्याय गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया।



हो। उन्होंने संधाली भाषा की तरह सभी नौ मुंडारी, हो, कुरूख, खड़िया, नामपुरी, कुरमाली, खोरटा व पंचपरगनिया भाषा को संविधान की आठवीं सूची में शामिल करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि इन सभी विषयों को सभी विधायकों को सदन के अंदर व बाहर उठाया रहा हूँ। इस अवसर पर प्रोफेसर डॉ हरि उरांव, डॉ उमेश नंद तिवारी, डॉ सविता केशरी, डॉ मेरी एस सोरेंग, डॉ गीता कुमारी सिंह, माया मुंडा, कुमारी शशि आदि थे।

